Newsletter

NAV BHARAT JAGRITI KENDRA

सूचनापत्र

नव भारत जागृति केन्द्र

NBJK

CELEBRATING 50 YEARS

1971-2021

July - September, October - December 2021 | www.nbjk.org | जुलाई-सितम्बर, अक्टूबर-दिसम्बर 2021

NBJK Accesses 03 Lakh People in 16 Thousand Villages

During the Golden Jubilee year of NBJK, its rural development works have reached to a new height from perspective of both quality & quantity with 5 major chunks of programs as Education, Health-Hygiene-Environment & Disabilities, Socio-Economic & Livelihood Development, Support to Small Initiatives and Advocacy-Networking & Governance.

It provided pre-schooling & schooling support to 5486 children (girls-3078, boys-2408), freeship & scholarship to 2626 students (3/4 girls) while 850 (girls-534, boys-316) appeared for class X board examination with 97% result and associated 12789 children (girls-7200, boys-5589) under education/child centric programs overall.

NBJK has ensured 65650 OPD, 15571 Cataract Surgery (about 70% free), 687 other surgeries for eye patients and safe practices of menstrual hygiene for 906 women-girls. It constructed 519 toilets, 17 waste management units, run 2 solid waste recycling-cum-demonstration units and provided skill training, financial inclusion & rehabilitation for 1017 PwDs with physiotherapy support to 188 along with other health support to 1781, disability certificates to 111, pension to 81, dry ration kit to 1859, sanitation-hygiene kit to 3146 PwDs as well as their 150 carers could avail financial support for livelihood activities. Also as the response to Covid, NBJK established 2 quarantine centers, run 15 community kitchens and distributed 114364 pcs of various medical utilities with 18783 ration kits, 830 education-hygiene kits, nearly 70000 glasses of sattu sharbat as well as supported 760 poor families @Rs. 5000 through DBT.

It established 10 CICs equipped with computer, internet, printer, Xerox etc for digitalization of villages and developed MNSKPCL, an FPO with 2835 shareholders besides annual turnover of Rs. 25540231. The organization has linked 5081 farmers with allied activities, provided DBT based monetary support to 738 farmers and ensured irrigation-ground water recharge facilities for 1413 cultivators. Also it created 109 water structures and 142 lift irrigation systems. To enable women-girls towards self-dependence, NBJK offered skill development training like tailoring to 1291 (with sewing machines to 143), kitchen gardening to 128, incense stick/paapad/pickle making to 12 and BCA-beautician to 168 of them. Also 5739 women & 1275 men have received microcredit support for IGAs.

It facilitated 3 small grass-root VOs to work upon education, health, livelihood, environment & general awareness among weaker communities in villages. Along with this, 25 social activists (including 8 women) and 6 VOs have obtained capacity building support from NBJK which resulted as food security for 3000 ST, SC, OBC and women headed families from 4 to 9 months.

Also NBJK has intervened in 101 cases of children at risk and reconciled 91 cases of familial unrest. Besides this, 16354 adolescents-parents-community people-service providers and 1595 families have been contacted upon Covid awareness through mobile phones and 44 orientation meetings with 622 parents upon online education for their children took place under NBJK's programs.

The organization supports Lok Samiti, a non-political body founded by Loknayak JP and considers Prohibition to All Intoxicants as an integral part of its modus operandi. As a joint endeavor, 3 district level conferences held over this important issue and 8 symposiums on the lives & thoughts of Gandhi-JP-Ambedkar were arranged with 1026 participants. NBJK has reached to about 312460 people across more than 16000 villages of 280 blocks from 28 districts in Jharkhand, Bihar and Chhattisgarh. This couldn't be possible without support from many donor organizations, to know their good names, please may visit www.nbjk.org

16 हजार गाँवों में 3 लाख लोगों तक पहुँचा एनबीजेके

एनबीजेके स्थापना के स्वर्णजयंती वर्ष में शिक्षा, स्वास्थ्य–स्वच्छता–दिव्यांगता–पर्यावरण, सामाजिक–आर्थिक व आजीविका विकास, छोटी पहलों को मदद और जनवकालत–नेटवर्किंग–अभिशासन जैसे पाँच कार्यक्रम समूहों के साथ इसके ग्रामीण विकास संबंधी काम ने गुणात्मक और परिमाणात्मक रूप से एक नयी ऊँचाई को छुआ है. इसने 5486 बच्चों (बालिका–3078, बालक–2408) को पूर्व–स्कूली और स्कूली शिक्षा, 2626 विद्यार्थियों (3/4 बालिकाएं) को निःशुल्क शिक्षा–छात्रवृत्ति प्रदान किया, जबकि 850 बच्चों (बालिका–534, बालक–316) ने दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में शामिल होकर 97% परीक्षाफल हासिल किया है. संस्था संचालित शैक्षणिक और बाल केन्द्रित कार्यक्रमों के साथ कुल 12789 बच्चों (बालिका–7200, बालक–5589) का जुड़ाव बना.

एनबीजेके ने नेत्र रोगियों हेतु 65650 ओपीडी, 15571 मोतियाबिंद सर्जरी (लगभग 70% निःशुल्क) और 687 अन्य सर्जरी सुनिश्चित करने के साथ 906 महिलाओं–किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्यकर व्यवहारों से जोड़ा है. संस्था द्वारा 519 शौचालयों, 17 कचड़ा प्रबंधन इकाइयों का निर्माण और 2 ठोस कचड़ा पुनर्चक्रीकरण–सह–प्रदर्शन इकाइयों का संचालन करने के साथ 1017 दिव्यांगों को कौशल विकास प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन व पुनर्वास, 188 को फीजियोथेरेपी, 1781 को स्वास्थ्य संबंधी सहयोग, 111 को दिव्यांगता प्रमाणपत्र, 81 को पेंशन, 1859 को सूखा राशन किट और 3146 दिव्यांगों को स्वास्थ्य–स्वच्छता किट प्रदान करने के साथ उनके 150 देखभालकर्ताओं को आजीविका हेतु आर्थिक सहयोग दिया गया. कोविड महामारी के विकट समय में एनबीजेके ने 2 क्वारंटाइन केंद्रों की स्थापना और 15 सामुदायिक भोजनालयों का संचालन करने के साथ 114364 चिकित्सोपयोगी विविध सामग्रियों, 18783 राशन किट, 830 शिक्षा–स्वास्थ्य किट, लगभग 70000 ग्लास सत्तू शरबत का वितरण किया है. इसके अलावा 760 निर्धन परिवारों के बैंक खातों में प्रति परिवार रु० 5000 की आर्थिक सहायता भेजी गयी. इसने 10 गाँवों में कंप्यूटर, इंटरनेट, प्रिंटर, फोटोकॉपी मशीन आदि सुविधाओं से युक्त सामुदायिक सूचना केंद्रों को स्थापित करने के साथ एक किसान उत्पादक संगठन "एम.एन.एस.के.पी.सी.एल." को विकसित किया है, जिसमें 2835 शेयरधारक हैं और उसका वार्षिक टर्नओवर रु० 25540231 है. संस्था ने 5081 छोटे किसानों को कृषि संबद्ध गतिविधियों से जोड़ा है, 738 किसानों के बैंक खातों में सहयोग राशि प्रेषित किया और 1413 खेतिहरों हेतु सिंचाई–भूगर्भ जल वृद्धि संबंधी उपाय किये हैं. इस दिशा में 109 जल संरचनाओं और 142 लिफ्ट सिंचाई प्रणालियों का निर्माण हुआ है. महिलाओं–लड़कियों के आर्थिक स्वावलंबन हेतु एनबीजेके ने ऐसे 1291 लाभुकों को सिलाई प्रशिक्षण दिया, जिनमें 143 को सिलाई मशीनें भी मिली हैं. 128 महिलाओं को किचन गार्डनिंग, 12 को अगरबत्ती/पापड़/अचार बनाने का और 168 युवतियों को बीसीए–ब्यूटिशियन का प्रशिक्षण दिया गया है. इसी प्रकार आय सृजक गतिविधियों हेतु 5739 महिलाओं और 1275 पुरुषों को लघु ऋण सहायता मिली है.

संस्था ने गाँवों में कमजोर वर्ग के लोगों के बीच शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, पर्यावरण और चेतना जागरण हेतु जमीनी स्तर पर काम करने वाली 3 छोटी संस्थाओं को बढ़ावा दिया है. इसके साथ ही 25 सामाजिक कार्यकर्ताओं (8 महिलाएं) और 6 स्वैच्छिक संस्थाओं को मिले क्षमता वृद्धि सहयोग से प्रायः 3000 अजा/अजजा/महिला मुखिया वाले परिवारों को 9 महीनों की खाद्य सुरक्षा हासिल हुई है. एनबीजेके ने जोखिम में पड़े 101 बच्चों को बचाने के साथ पारिवारिक विवाद संबंधी 91 मामलों का समाधान भी किया है. इसके अतिरिक्त 16354 किशोर–किशोरियों–अभिभावकों–समुदाय के लोगों–सेवा प्रदाताओं, 1595 परिवारों के साथ कोविड जागरुकता पर मोबाइल फोन से संपर्क किया गया और 622 अभिभावकों संग बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा पर उन्मुखीकरण बैठकें हुईं. संस्था लोकनायक जेपी द्वारा स्थापित गैरदलीय जनसंगठन लोक समिति का समर्थन करती है और नशामुक्त समाज निर्माण का लक्ष्य इसकी कार्य पद्धति का एक अनिवार्य घटक है. इस महत्वपूर्ण विषय पर 3 जिला सम्मेलनों के साथ गांधी–जेपी–अम्बेडकर जैसे महापुरुषों के जीवन और विचार पर 8 सेमिनारों का आयोजन किया गया, जिनमें 1026 लोगों की सहभागिता रही. उपरोक्त कार्यों के माध्यम से झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ अंतर्गत 28 जिलों में 280 प्रखंडों के 16 हजार से अधिक गाँवों तक लगभग 3 लाख 12 हजार 4 सौ 60 लोगों तक एनबीजेके की पहुँच बनी है. निस्संदेह अनेकानेक दाता संस्थाओं की मदद के बिना ऐसा संभव नहीं था. उनके महत्वपूर्ण नामों से अवगत होने हेतु कृपया www.nbjk.org पर जा सकते हैं.

Honour to the Founders of NBJK

28 December 2021, Hazaribagh: At NBJK, some eminent social workers e. g. Mrs. Poonam Ranjan and Messrs Ghanshyam (Madhupur), Hemant (Patna), Vinod Ranjan (Patna), Uday (Bhagalpur) with Shekhar (Ranchi) associated with JP Movement have honoured the founders of NBJK (1971), who are leaders of Lok Samiti also initiated by JP in 1977. Mr. Ghanshyam exemplified NBJK, the organization completed 50 years successfully, is like a model before activists. NBJK has not only promoted hundreds of VOs but developed a better work culture for their sustainability too, he pointed out. Mr. Ghanshyam & team have felicitated Mr. Girija Satish (President, NBJK), Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) and Mr. Prabhu Nath Sharma (Treasurer, NBJK) with shawl, diary & pen. On this occasion, Mr. Girija Satish expressed gratitude to the respecters and called them as people with commitment for social change and conservation of natural resources. He said that whether we do any constructive work or join any advocacy campaign, it needs an ideological training and we should ensure that.

एनबीजेके संस्थापकों का सम्मान

28 दिसंबर 2021, हजारीबागः जेपी आंदोलन से जुड़े कुछ प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं यथा श्रीमती पूनम भारती के साथ सर्वश्री घनश्याम (मधुपुर), हेमंत (पटना), विनोद रंजन (पटना), उदय (भागलपुर) और शेखर (रांची) ने एनबीजेके (1971) के संस्थापकों, जो जेपी द्वारा प्रारंभ लोक समिति (1977) के भी नेतृत्वकर्ता हैं, को सम्मानित किया. श्री घनश्याम ने अपने सफल 50 वर्ष पूर्ण कर चुकी संस्था एनबीजेके को सामाजिक कार्यकर्ताओं हेतु एक आदर्श उदाहरण बताया. उन्होंने उल्लेख किया कि इस संस्था ने न सिर्फ सैकड़ों स्वैच्छिक संस्थाओं को प्रोत्साहित किया बल्कि उनके स्थायित्व हेतु एक बेहतर कार्य संस्कृति विकसित करने का काम भी किया है. श्री घनश्याम व साथियों ने एक सादे समारोह में एनबीजेके अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश, सचिव श्री सतीश गिरिजा और कोषाध्यक्ष श्री प्रभुनाथ शर्मा को शाल–डायरी–कलम प्रदान कर प्रतिष्ठा दी. इस अवसर पर श्री गिरिजा सतीश ने सम्मानकर्ताओं के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि ये सभी लोग सामाजिक बदलाव और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु सदैव प्रतिबद्ध रहे हैं. उन्होंने कहा कि हम चाहे कोई रचनात्मक कार्य करें अथवा किसी जनपैरोकारी अभियान से जुड़ें, एक वैचारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है और हमें इसे सुनिश्चित करना चाहिए.

MNSKPCL Bags Awards

17 December 2021, New Delhi: Murhu Nari Shakti Kisan Producer Co. Ltd., promoted by NBJK with support of CInI & Tata Trusts won ***Vijayalakshmi Das-Friends-of-Women FPO 2021 Award,*** an initiative of ACCESS supported by Rabobank with NABARD in technical partnership of IRMA. It is an endeavor in recognizing and encouraging exemplary Farmer Producer Organization that have overcome various challenges, to successfully build self-sustaining businesses and contribute meaningfully to the member community. Ms. Neelkamal Darbari (MD, SFAC) has conferred the award to Mrs. Mithila Devi, Ms Monika Mundu (both Directors, MNSKPCL) and Mr. Praveen Kumar (CEO, MNSKPCL). She praised the women of Khunti and said that their work has proved about a transforming India. It is remarkable that on 28 July 2021, MNSKPCL has bagged ***Samunnati-The Economic Times Best FPO Award*** too under the category of Women Empowerment. This digital awards ceremony held in presence of eminent persons like Prof. Ramesh Chand (Member-NITI Aayog), Mr. Padmanand V., Partner members from PSUs and Grant Thornton India LLP. Also on 3 September with support of ONGC Foundation, the company initiated a Lac Handicrafts Unit at Digdi and Binda villages for value addition to its lac produces.

एम एन एस के पी सी एल को मिले पुरस्कार

17 दिसंबर 2021, नयी दिल्लीः सिनी–टाटा ट्रस्ट्स के सहयोग से एनबीजेके प्रवर्तित मुरहू नारी शक्ति किसान प्रोड्यूसर कं० लि० को ***विजयालक्ष्मी दास–फ्रेंड्स–ऑफ–विमेन एफपीओ 2021 अवार्ड*** से नवाज़ा गया. यह अवार्ड इरमा की तकनीकी साझेदारी में नाबार्ड के साथ राबोबैंक के समर्थन से एक्सेस की पहल है. यह एक प्रयास था कि विभिन्न चुनौतियों को पार कर आत्मनिर्भर व्यवसाय के माध्यम से अपने समुदाय की उन्नति में सार्थक योगदान देने वाले अनुकरणीय किसान उत्पादक संगठन को पहचान और प्रोत्साहन मिले. एमएनएसकेपीसीएल की निदेशिकाओं श्रीमती मिथिला देवी और श्रीमती मोनिका मुंडू के साथ सीइओ श्री प्रवीण कुमार को श्रीमती नीलकमल दरबारी (एमडी, एसएफएसी) के हाथों यह पुरस्कार मिला. श्रीमती दरबारी ने खूंटी निवासी महिलाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनका काम एक बदलते भारत का सबूत है. विदित हो कि 28 जुलाई 2021 को एमएनएसकेपीसीएल ने ***समुन्नति–दि इकॉनोमिक टाइम्स बेस्ट एफपीओ अवार्ड*** (महिला सशक्तिकरण श्रेणी) भी प्राप्त किया है. इस डिजिटल पुरस्कार समारोह में प्रो० रमेश चंद (सदस्य, नीति आयोग), श्री पद्मानंद वी., अनेक लोक उपक्रमों और ग्रांट थोर्नटन इंडिया एलएलपी के प्रतिनिधिगण शामिल थे. ध्यातव्य है कि 3 सितंबर 2021 को ओएनजीसी फाउंडेशन की मदद से एमएनएसकेपीसीएल ने खूंटी जिला के मुरहू प्रखंड अंतर्गत दिगदी और बिंदा गाँवों में लाह आधारित हस्तशिल्प इकाई शुरू किया है, जो स्थानीय किसानों के लाह उत्पादन की मूल्य वृद्धि में सहायक सिद्ध होगा.

Tribal Women Get Tailoring Training & Sewing Machines

September-December 2021, Nawada-Khunti-W. Singhbhum-Gumla-Dumka-Ranchi-Hazaribagh: During the period of September to December'21, NBJK has organized 8 events of total 64 days' residential training upon tailoring, sewing machine maintenance & life skills for 190 tribal women from Nawada (Bihar), Khunti, West Singhbhum, Gumla, Dumka, Latehar, Lohardaga & Simdega districts under Usha Silai School program with support of Usha International. The participants got practical knowledge upon different parts of sewing machine & their functioning, fitting, faults & fixing, precautions to avoid disorders and acquired skills for clothes cutting, designing & dress making. Also they came to know about personality development and customer care. Each trainee has received a new sewing machine, signage board, guide book & certificate to start Usha Silai School at their place. Besides this, a 10-days Master Trainers training held between 17-26 November at Hazaribagh for 12 trainers from Jharkhand & Bihar.

जनजातीय महिलाओं हेतु टेलरिंग प्रशिक्षण और सिलाई मशीनें

सितंबर–दिसंबर 2021, नवादा–खूंटी–प० सिंहभूम–गुमला–दुमका–राँची–हजारीबाग : सितंबर से दिसंबर'21 की अवधि में एनबीजेके ने नवादा (बिहार), खूंटी, प० सिंहभूम, गुमला, दुमका, लातेहार, लोहरदगा और सिमडेगा जिलों की आदिवासी महिलाओं हेतु टेलरिंग, सिलाई मशीन रख–रखाव और जीवन कौशल संबंधी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया है. उषा इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित उषा सिलाई स्कूल कार्यक्रम के तहत कुल 64 दिनों के 8 आवासीय प्रशिक्षण शिविरों में 190 महिलाओं ने भाग लिया. प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन के विभिन्न पुरजों, उनकी कार्यप्रणाली, फिटिंग, खराबी–समाधान, गड़बड़ी से बचाव हेतु सावधानी आदि की जानकारी देने के साथ पोशाकों की कटिंग, डिजाइनिंग, वस्त्र निर्माण संबंधी कौशलों से अवगत कराया गया. उन्हें व्यक्तित्व विकास और बेहतर सेवा प्रदाता बनने संबंधी सुझाव भी मिले. प्रत्येक प्रशिक्षु को एक नयी सिलाई मशीन, साइन बोर्ड, मार्गदर्शिका और प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया ताकि वे अपने गाँवों में उषा सिलाई स्कूल की शुरुआत कर सकें. इसके अलावा 17–26 नवंबर'21 के दौरान झारखंड–बिहार की 12 महिलाओं हेतु हजारीबाग में मास्टर ट्रेनर्स आवासीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ था.

Anti-Liquor Conventions in Jharkhand

August-November 2021, Dhanbad-Lohardaga-West Sighbhum-Chatra-Saraikela-Kharsawan: District Units of Lok Samiti have organized Anti-Liquor conventions with support of NBJK & Jamnalal Bajaj Foundation. Mr. Girija Satish (National President, Lok Samiti) was keynote speaker of this campaign against liquor. He remembered Mahatma Gandhi's strong opposition to this menace and referred to directive principles of state policy in Indian constitution which refuses alcoholism. The national president of Lok Samiti has praised the Govt. of Bihar for legal measures to ensure prohibition and questioned about the misconception of revenue loss. He said that development doesn't mean economic affluence only rather this denotes to social upliftment too. There is no culture of booz and none of the faith mentions about such permission, he pointed out. Mr. Girija Satish criticized alcoholism as it destroys the very fabrics of our familial-social bonds, disturbs harmony and invites anarchy. He demanded more powers to PRIs & LUBs, appealed women to come forward and suggested for pre-election written consent from our future representatives as effective measures to curb the social evil. Nearly 700 people have participated in these conventions along with mostly women, PRIs members & grassroots social workers.

झारखंड में शराब विरोधी सम्मेलनों की श्रृंखला

अगस्त–नवंबर 2021, धनबाद–लोहरदगा–पश्चिम सिंहभूम–चतरा–सराइकेला खरसवां: जमनालाल बजाज फाउंडेशन और एनबीजेके के सहयोग से लोक समिति की जिला इकाइयों ने लगातार शराब विरोधी सम्मेलनों का आयोजन किया है. शराब के खिलाफ इस अभियान के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय लोक समिति के अध्यक्ष श्री गिरिजा सतीश थे. उन्होंने इस भयंकर बुराई के विरुद्ध महात्मा गांधी के दमदार विरोध का स्मरण करते हुए भारतीय संविधान में राज्य हेतु वर्णित नीति निर्देशक तत्वों का हवाला दिया, जो शराब पर रोक की हिमायत करता है. लोक समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शराबबंदी संबंधी कानूनी प्रावधानों हेतु बिहार सरकार की प्रशंसा किया और राजस्व नुकसान की व्यापक भ्रांति पर सवाल उठाया. उन्होंने कहा कि विकास का मतलब सिर्फ आर्थिक प्रगति नहीं बल्कि सामाजिक उत्थान भी है. शराब पीने जैसी कोई संस्कृति नहीं होती और किसी भी धार्मिक पंथ में इसकी छूट नहीं है, ऐसा उनका मानना था. श्री गिरिजा सतीश ने शराबखोरी की आलोचना करते हुए कहा कि यह हमारे सामाजिक, पारिवारिक ताने–बाने को नष्ट करते हुए आपसी सद्भावना में बाधक और अराजकता का कारक बन चुका है. उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं–स्थानीय निकायों को ज्यादा अधिकार दिये जाने की मांग करते हुए शराबबंदी के मुद्दे पर महिलाओं से आगे आने की अपील किया और सुझाव दिया कि चुनाव पूर्व हमारे भावी प्रतिनिधियों से तत्संबंधी लिखित सहमति पत्र लेने से इस कुरीति पर नियंत्रण में मदद मिलेगी. इन सम्मेलनों में लगभग 700 लोगों ने भाग लिया, जिनमें अधिकांश महिलाएं, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यगण और जमीनी स्तर के सामाजिक कार्यकर्ता आदि शामिल थे.

Orientation Training for RCCs' Teachers

25 September 2021, Hazaribagh: Under Girls' Education program with support of Action Village India, one day orientation training camp held for the teachers of Remedial Coaching Centers running at 17 villages of 3 blocks in Hazaribagh district. The training was focused upon academic compensation due to disturbance by Covid pandemic, modified syllabus and new strategy for students' preparation keeping view of this changed situation. The teachers have shared their experiences in terms of easy way to understand the contents of the subjects, contributed to syllabus analysis and explained about uncomplicated methods to solve the problems for students. It is significant that 621 girl students of class VIII, IX & X are enrolled at the RCCs and they avail extra classes for Maths, Science & English there through the program.

आर सी सी शिक्षकों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण

25 सितंबर 2021, हजारीबाग : एक्शन विलेज इंडिया के सहयोग से क्रियान्वित बालिका शिक्षा कार्यक्रम अंतर्गत हजारीबाग जिला स्थित तीन प्रखंडों के 17 गाँवों में संचालित रिमीडियल कोचिंग केंद्रों के शिक्षकों हेतु एकदिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ. यह प्रशिक्षण कोविड महामारी जनित बाधा के आलोक में अकादमिक क्षतिपूर्ति, परिवर्तित पाठ्यक्रम और इस बदली परिस्थिति में विद्यार्थियों की शैक्षणिक तैयारी हेतु नयी रणनीतियों पर केंद्रित था. इसमें शिक्षकों ने विषयों की अंतर्वस्तु समझने के सरल तरीकों, पाठ्यक्रम विश्लेषण और छात्राओं की समस्या समाधान संबंधी सहज उपायों पर अपना अनुभव साझा किया. महत्वपूर्ण है कि इन रिमीडियल कोचिंग केंद्रों में कक्षा 8, 9 और 10 की 621 छात्राओं को गणित, विज्ञान और अंग्रेजी के अतिरिक्त वर्गों के माध्यम से शिक्षा दी जाती है.

Child Reporters Celebrates World Children's Day with Hon. CM & H. E. the Governor

20 November 2021, Ranchi: Under NBJK run program of Child Reporters with support of UNICEF Jharkhand, the CRs have celebrated World Children's Day with Hon. Chief Minister and H. E. the Governor of Jharkhand. They met Mr. Hemant Soren (Hon. CM) at his residential office and asked him about Covid Vaccine for children. Making a vaccine needs some time but the pace with our scientists have developed the vaccines for adult ensures us that soon they will make the same for children also, he replied. A CR drew his attention over need of concrete roof at Government Middle School, BIT Mesra (Ranchi) while another questioned about lack of proper facilities in Govt. schools for Online Education. Hon. CM has assured for improvement and appreciated the CRs for their positive message upon education, health & child rights. At Governor's Hosue, Mr. Ramesh Bais (H. E. the Governor) has talked to CRs about their works & challenges and they shared a drawing competition over the theme "A Better Future for Every Child".

माननीय मुख्यमंत्री और महामहिम राज्यपाल के साथ बाल संवाददाताओं ने मनाया विश्व बाल दिवस

20 नवम्बर 2021, रांची : यूनिसेफ झारखंड के सहयोग से एनबीजेके संचालित बाल संवाददाता (चाइल्ड रिपोर्टर) कार्यक्रम अंतर्गत बाल संवाददाताओं ने माननीय मुख्यमंत्री और महामहिम राज्यपाल के साथ विश्व बाल दिवस मनाया. बच्चे मा. मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन से उनके आवासीय कार्यालय में मिले और बच्चों के कोविड टीकाकरण की बाबत पूछा. मा. मुख्यमंत्री ने कहा कि टीका तैयार करने में थोड़ा समय लगता है लेकिन जिस गति से हमारे वैज्ञानिकों ने वयस्कों के लिए वैक्सीन बनायी, उससे उम्मीद बंधती है कि शीघ्र ही बच्चों हेतु भी नयी वैक्सीन आ जाएगी. एक बाल संवाददाता ने राजकीय मध्य विद्यालय, बीआइटी, मेसरा (रांची) में कंक्रीट छत की जरूरत पर उनका ध्यान आकृष्ट किया, जबकि एक अन्य ने सरकारी स्कूलों में ऑनलाइन शिक्षा संबंधी समुचित सुविधाओं के अभाव पर सवाल पूछा. मा. मुख्यमंत्री ने बाल संवाददाताओं को आश्वस्त किया कि स्थितियां सुधरेंगी. उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और बाल अधिकार जैसे मुद्दों पर इन बच्चों के सकारात्मक संदेशों की सराहना किया. राजभवन में महामहिम राज्यपाल श्री रमेश बैस ने बाल संवाददाताओं से उनके कार्यों और चुनौतियों के बारे में बातचीत की और उन बच्चों ने "हर बच्चे का बेहतर भविष्य" विषय पर आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया.

Inauguration of Vimla Ramkrishna Bajaj Eye Hospital

10 October 2021, Deoghar: With support of Jamnalal Bajaj Foundation, NBJK has launched Vimla Ramkrishna Bajaj Eye Hospital as the fourth unit of LNJP Eye Hospital. Mr. Shekhar Bajaj (CMD-Bajaj Electricaals Ltd. & Director-Bajaj Group of Companies) was chief guest of this event and inaugurated eye hospital online from Mumbai. He appreciated NBJK for the initiative to ensure proper treatment of needy eye patients, expected for relief to poor people and conveyed best wishes for success. It's noteworthy that NBJK run Vimla Ramkrishna Bajaj Eye Hospital has 30 beds, 3 eye surgeons, 30 paramedical staffs, modern equipments-operation theatre, glass shop, medicine shop and a competence for treatment of different eye diseases. On this occasion, Mr. Satish Girija (Secretary, NBJK) greeted all invitees and called Vimla Ramkrishna Eye Hospital as a gift to the people from Bajaj Family. He stood with sincere gratitude to JBF. Also Mr. Girija Satish (President, NBJK) expressed gratefulness to the chief guest Mr. Shekhar Bajaj, JBF, audience and assured for efficient service to more people by Vimla Ramkrishna Bajaj Eye Hospital. Many eminent citizens of Deoghar were present in the inaugural ceremony and articulated their views. On 19, 22 & 27 July, at Keredari, Barkagaon & Barkattha blocks of Hazaribagh district, 3 new Vision Centers have been started with support of Sightsavers India. On 18 August, another Vision Center began at Gaya city with back up from Seva Foundation.

विमला रामकृष्ण बजाज आँख अस्पताल का उद्घाटन

10 अक्टूबर 2021, देवघर : जमनालाल बजाज फाउंडेशन के सहयोग से एनबीजेके ने एलएनजेपी आँख अस्पताल की चौथी इकाई के रूप में विमला रामकृष्ण आँख अस्पताल का शुभारंभ किया है. इस आयोजन के मुख्य अतिथि श्री शेखर बजाज (मुख्य कार्य. निदेशक–बजाज इलेक्ट्रिकल्स लि., निदेशक–बजाज ग्रुप ऑफ कम्पनीज) थे, जिन्होनें आँख अस्पताल का उद्घाटन मुंबई से ऑनलाइन किया. उन्होंने जरूरतमंद नेत्र रोगियों की समुचित चिकित्सा हेतु एनबीजेके की पहल को सराहनीय बताया, गरीबों को राहत मिलने की उम्मीद जतायी और अस्पताल की सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं. विदित हो कि इस आँख अस्पताल में 30 बेड, 3 चिकित्सक, 30 स्वास्थ्यकर्मी, आधुनिक उपकरण–ऑपरेशन थिएटर, चश्मा–दवा दुकान के साथ विभिन्न नेत्र रोगों के इलाज की सुविधा उपलब्ध है. इस अवसर पर श्री सतीश गिरिजा (सचिव, एनबीजेके) ने समस्त आमंत्रितों का स्वागत करते हुए विमला रामकृष्ण आँख अस्पताल को बजाज परिवार की ओर से एक जनोपयोगी उपहार कहा और जमनालाल बजाज फाउंडेशन के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया. श्री गिरिजा सतीश (अध्यक्ष, एनबीजेके) ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शेखर बजाज और आगंतुकों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए आश्वासन दिया कि इस आँख अस्पताल के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को बेहतर सेवा देने का प्रयास किया जाएगा. उद्घाटन समारोह में उपस्थित देवघर के अनेक प्रमुख नागरिकों ने भी अपने विचारों को रखा. इसके अलावा 19, 22 और 27 जुलाई को हजारीबाग जिला के केरेडारी, बड़कागाँव और बरकट्ठा प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में साइटसेवर्स इंडिया के सहयोग से और 18 अगस्त को सेवा फाउंडेशन के सहयोग से गया शहर में विजन सेंटर खुले हैं.

CASE STORY

Empowering Villagers with Community Information Center

Garhi is one of the ten adopted villages under SBI Gram Seva Program with support of SBI Foundation. It falls in Ramchandradih panchayat of Chakai block under Jamui district of Bihar. As per the program's mandate, a Community Information Center (CIC) has been opened in each village along with Garhi. At this village also, there are facilities of computers, internet, photo copier machine, printer, UPS, batteries etc.

Before CIC in the village, people were just like silent spectators of these developments. When this center became functional and started providing services, a great leap has been observed in daily life of the village. The youths & children have welcomed the initiative excitedly and availed the benefits of learning new skills to move forward. This made digital literacy possible for not only Garhi village but for other adjacent villages also.

Now-a-days people come here for photo copies of their important documents, print outs of specific information, updates of Govt. schemes & policies, search of job vacancies, tips over profitable agriculture, basics of computer learning, online classes and many more. This is a big change towards self-reliance of our rural community and really important that after assigning all created assets to VDC, villagers have managed the CIC successfully and pursuing knowledge to transform their lives.

केस स्टोरी

सामुदायिक सूचना केंद्र द्वारा ग्रामीणों का सशक्तिकरण

गरही उन दस गाँवों में से एक गाँव है, जिन्हें एसबीआइ फाउंडेशन समर्थित एसबीआइ ग्राम सेवा कार्यक्रम के तहत अंगीकृत किया गया है. यह जमुई जिला (बिहार) में चकाई प्रखंड के रामचंद्रडीह पंचायत अंतर्गत अवस्थित है. कार्यक्रम के नियमानुसार अन्य सभी गाँवों के साथ गरही गाँव में भी एक सामुदायिक सूचना केंद्र की स्थापना हुई है, जिसमें कंप्यूटर, इंटरनेट, फोटो कॉपी मशीन, प्रिंटर, यूपीएस, बैटरी आदि की सुविधाएं उपलब्ध हैं.

इससे पहले, ग्रामीण इन वैश्विक बदलावों के मूक दर्शक बने रहने को विवश थे. लेकिन जब गाँव में यह सूचना केंद्र खुला और यहाँ संबंधित सेवाएं प्रदान की जाने लगीं, तो लोगों के दैनिक जीवन में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है. बच्चों–युवाओं ने इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और नये–नये कौशलों को सीखने में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं. इससे न केवल गरही बल्कि अगल–बगल के अन्य गाँवों में भी डिजिटल साक्षरता का प्रचार–प्रसार संभव हुआ है.

इन दिनों लोग यहाँ अपने महत्वपूर्ण दस्तावेजों की नकल करवाने, विशेष सूचनाओं को छपवाने, सरकारी योजनाओं–नीतियों से अवगत होने, रोजगार–रिक्तियों की जानकारी प्राप्त करने, लाभकारी खेती संबंधी सुझाव लेने, कंप्यूटर संचालन की बुनियादी जानकारी प्राप्त करने, ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होने जैसे अनेक काम लेकर आते हैं. यह हमारे ग्रामीण समुदाय की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने वाला एक बड़ा कदम साबित हो रहा है. उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम के माध्यम से सृजित समस्त परिसंपत्तियां अब ग्राम विकास समिति को हस्तांतरित कर दी गयी हैं और ग्रामवासी खुद से इस सामुदायिक सूचना केंद्र का सफल संचालन करते हुए नयी–नयी जानकारियों द्वारा अपने जीवन को बदलने का प्रयास कर रहे हैं.

परिकल्पना : **श्री गिरिजा सतीश**
प्रस्तुति : **विनय भट्ट**
नव भारत जागृति केन्द्र, संयोजन कार्यालय
ग्राम – अमृतनगर, पो. कोर्रा, जिला हजारीबाग (झारखण्ड) द्वारा प्रकाशित
दूरभाषः +91 9431140385, +91 9835751159
ई मेलः nbjkco@gmail.com; vinay.bhatta@nbjk.org

केवल निजी वितरण हेतु
For private circulation only